

[This question paper contains 7 printed pages.]

6381

Your Roll No.

LL.B./VI Term

A

Paper LB-6044 : LAW RELATING TO ELECTIONS .

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

Note :- Answers may be written either in English or in
Hindi; but the same medium should be used
throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए;
लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt five questions including
Q. No. 1, which is compulsory.
All questions carry equal marks.

कुल पाँच प्रश्न कीजिए। प्रश्न क्र. 1 अनिवार्य है।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Answer briefly any four of the following :

- (a) Discuss the Constitutional principles for delimitation of Constituencies in India.
- (b) Necessary parties to an election petition under the R.P. Act, 1951.

P.T.O.

- (c) What is the composition of the electoral college that elects the President of India? Can a presidential election be held at a time when two state assemblies have been dissolved?
- (d) Explain the ingredients of Section 9A of the R.P. Act, 1951.
- (e) Is there any difference between the status of the Chief Election Commissioner vis-a-vis other Election Commissioners under the Constitution of India?

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

- (क) भारत में निर्वाचन-क्षेत्रों के परिसीमन हेतु संवैधानिक सिद्धान्तों का विवेचन कीजिए।
- (ख) जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अन्तर्गत निर्वाचन याचिका के आवश्यक पक्षकार।
- (ग) उस विधानमंडल का क्या संघटन होता है जो भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन करता है? क्या राष्ट्रपति का निर्वाचन ऐसे समय किया जा सकता है जब दो राज्यों की विधानसभा विघटित हो चुकी हों।
- (घ) जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 9A के अवयवों को स्पष्ट कीजिए।
- (ङ) क्या भारत के संविधान के अन्तर्गत मुख्य निर्वाचन आयुक्त के मुकाबले अन्य निर्वाचन आयुक्तों की प्रास्थिति के बीच कोई अन्तर है?

2. Explain the term 'office of profit under the government' as used in Article 102(1)(a) of the Constitution of India. Discuss whether the following persons are disqualified under Article 102(1)(a) or Article 191(1)(a):

(a) Vice Chancellor of University of Delhi.

(b) An assistant teacher in a primary school run by the Uttar Pradesh Board of Basic Education.

भारत के संविधान के अनुच्छेद 102(1)(a) में यथाप्रयुक्त "सरकार के अधीन लाभ का पद" शब्दावली की व्याख्या कीजिए। विवेचन कीजिए कि क्या निम्नलिखित व्यक्ति अनुच्छेद 102(1)(a) या अनुच्छेद 191(1)(a) के अधीन निरहित हो गए हैं :

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय का कुलपति

(ख) उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक।

3. (a) Explain the meaning of the expression 'result of an election has been materially affected' citing relevant case law.

(b) Can a nomination paper be rejected on the following grounds :

(i) Non furnishing of affidavit disclosing criminal antecedents, assets, liabilities and educational qualifications.

(ii) Furnishing of wrong information or suppression of some material information in such affidavit.

(क) सुसंगत निर्णय विधि का हवाला देते हुए इस अभिव्यक्ति की व्याख्या कीजिए, "निर्वाचन का परिणाम तात्त्विक रूप में प्रभावित हुआ है।

(ख) क्या निम्नलिखित आधार पर कोई नामनिर्देशन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है ?

(i) आपराधिक इतिवृत्त, आस्तियों देनदारियों तथा शैक्षिक योग्यताओं का प्रकटन करते हुए शपथपत्र का प्रस्तुत न किया जाना।

(ii) ऐसे शपथपत्र में गलत सूचना देना या किसी तात्त्विक सूचना को छिपाना।

4. Discuss the powers and functions of the Election Commission under the Constitution of India and the R.P. Act, 1951. Does the Election Commission have the power to de-register a political party on any ground ?

भारत के संविधान तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अन्तर्गत निर्वाचन आयोग की शक्तियों और कृत्यों का विवेचन कीजिए। क्या निर्वाचन आयोग के पास किसी आधार पर किसी राजनीतिक दल का नाम रजिस्टर से हटाने की शक्ति है ?

5. (a) Explain the meaning of the term 'election' in Article 329(b) of the Constitution of India. What

is the remedy available to a person whose nomination paper is improperly rejected by the Returning Officer? Discuss the forum and time limit for availing such remedy.

- (b) N, a sitting member of parliament, is convicted under the Prevention of Corruption Act, 1988 and sentenced to imprisonment for three years by the trial court. On appeal, he is granted bail by the High Court. Can N continue as a member of parliament? Can he again contest elections while his appeal is pending in the High Court?
- (क) भारत के संविधान के अनुच्छेद 329(b) में 'निर्वाचन' शब्द के अर्थ को स्पष्ट कीजिए। उस व्यक्ति को क्या उपचार सुलभ है जिसके नामनिर्देशन पत्र रिटर्निंग अधिकारी द्वारा अनुचित रूप में अस्वीकृत कर दिए गए हैं? ऐसे उपचार को प्राप्त करने के लिए मंच और समय सीमा का विवेचन कीजिए।
- (ख) संसद के आसीन सदस्य N को ट्रायल कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत दोषसिद्ध किया गया है और तीन वर्षों के कारावास से दंडित किया गया है। अपील किए जाने पर उच्च न्यायालय ने उसे जमानत मंजूर की जाती है। क्या N संसद के सदस्य के रूप में बना रह सकता है? क्या वह उच्च न्यायालय में अपनी अपील लम्बित रहने के दौरान पुनः निर्वाचन लड़ सकता है?

6. (a) What are the grounds on which a Vice-Presidential election can be challenged? Which is the appropriate forum for challenging such election?

(b) What is a recriminatory petition? When and how can it be filed under the R.P. Act, 1951?

(क) वे कौनसे आधार हैं जिन पर उपराष्ट्रपति का निर्वाचन आक्षेपित किया जा सकता है? उक्त निर्वाचन को आक्षेपित करने के लिए समुचित मंच कौनसा है?

(ख) प्रत्यारोपी याचिका क्या होती है? इसको जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अन्तर्गत कब और कैसे फाइल किया जा सकता है?

7. X, a Sikh Candidate, was elected to the Punjab Legislative Assembly. His election is challenged by V, a voter, on the ground that X's candidature was sponsored by Shri Akal Takht, which in itself amounts to an appeal in the name of religion. Moreover a 'hukumnama' was also issued by the head priest which commanded the Sikh Voters to vote for X to keep the honour of the *panth*. This, according to V, besides being an appeal in the name of religion, also amounted to exercising 'undue influence' on the Sikh Voters. Decide citing relevant statutory provisions and judicial precedents.

एक सिख अभ्यर्थी X पंजाब विधान सभा के लिए निर्वाचित हुआ था। उसके निर्वाचन को एक मतदाता V ने इस आधार पर आक्षेपित किया

गया कि X की अभ्यर्थिता श्री अकाल तख्त द्वारा प्रायोजित की गई थी जोकि धर्म के नाम पर अपील किए जाने के समान है। इसके अतिरिक्त मुख्य ग्रन्थी द्वारा हुक्मनामा भी जारी किया गया था जिसके द्वारा पंथ की प्रतिष्ठा बचाए रखने के लिए सिख मतदाताओं को X को मत देने का हुक्म दिया गया था। V के अनुसार यह धर्म के नाम से की गई अपील के अतिरिक्त सिख मतदाताओं पर "अनुचित प्रभाव" डालने के समान आचरण था। सुसंगत कानूनी उपबन्धों तथा न्यायिक पूर्वनिर्णयों का हवाला देते हुए विनिश्चय कीजिए।

8. Critically analyse the anti-defection law in India.

Z, an independent candidate, is elected to the House of People. Two months later, he joins the Congress Party. Would Z be disqualified under the Tenth Schedule of the Constitution of India ?

भारत में दल-बदल विरोधी विधि का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

एक निर्दलीय अभ्यर्थी Z लोक सभा के लिए निर्वाचित हुआ था। दो मास बाद वह कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गया। क्या Z भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत निरहित कर दिया जाएगा ?